

गुदकील (गुद + कील) m. *Hämorrhoiden* H. 468, Sch. RĀGĀN. im ÇKDr. Suçr. 1, 198, 13. 226, 1. Auch गुदकीलक m. HALĀ. im ÇKDr.

गुदग्रह (गुद + ग्रह) m. *Affection des Mastdarms* H. 469.

गुदपरिणद्ध (गुद + परि + नक्) m. N. pr. eines Mannes: वकनख-
गुदपरिणद्धा: *die Nachkommen des Bakanakha* und Gudap. gaṇa ति-
ककितवादि zu P. 2, 4, 68.

गुदपाक (गुद + पाक) m. *Entzündung des Afters* Suçr. 1, 67, 17. 374,
7. 2, 437, 21. 438, 16.

गुदघ्नेश (गुद + घ्नेश) m. *Mastdarmvorfall* Suçr. 1, 298, 2. 2, 123, 3. 8.
187, 13. 437, 19. MĀDHAVAK. im ÇKDr.

गुदरं von गुद gaṇa षष्मादि zu P. 4, 2, 80.

गुदरोग (गुद + रोग) m. *eine Krankheit des Mastdarms*, viell. *Hämorrhoiden*, pl. MĀRK. P. 13, 35.

गुदवर्त्मन् (गुद + वर्त्) n. *After* GAṬĪDH. im ÇKDr. u. गुद.

गुदाङ्कुर (गुद + अङ्कुर) m. *Hämorrhoiden* H. 468.

गुदावर्त (गुद + आवर्त) m. *Verstopfung* (nach WILSON) GAUDAP. zu
SĪMKAJAK. 49.

गुदाद्व (गुद + उद्व) m. *Hämorrhoiden* Suçr. 2, 32, 8.

गुदाष्ठ (गुद + घोष्ठ) m. *Afteröffnung* Suçr. 1, 238, 13. 16.

गुध् 1) गुध्याति *verhüllen, bekleiden* Dhātup. 26, 13. Vgl. गुपद्. — 2)
गुध्याति *zürnen* Dhātup. 31 45. — 3) गुध्याति *spielen, scherzen* Dhātup. 2,
23, v. l. für गुर्द. — गुध्याति P. 1, 2, 7. Vop. 26, 204. Vgl. उपगुध.

गुधे adj. *beschützend* Up. 1, 61. — Vgl. गुपद्.

गुन्दल m. *der Ton einer Art Trommel* (मर्दल) H. 1408.

गुन्दाल m. v. l. für गुन्दाल ÇKDr.

गुन्द्र, गुन्द्र्याति *lügen* Dhātup. 32, 6, v. l. für कुन्द्र.

गुन्द्र 1) m. a) N. eines Grases, *Saccharum Sara* (शर) ROXB., AK. 2,
4, 5, 27. TRIK. 3, 3, 345. H. 1192. an. 2, 410. MED. r. 24. — b) N. einer
anderen Pflanze, = पटरक, अचक, प्रङ्गवेराह, मूलक BHĀVAPR. im ÇKDr.
— 2) f. श्री N. verschiedener Pflanzen und Wurzeln: a) = भद्रमुस्तक
die Wurzel von Cyperus pertenuis ROXB. (einem Grase) AK. 2, 4, 5, 25. H.
1193. H. an. MED. Suçr. 1, 137, 19. 145, 22. 2, 100, 20. 113, 6. 208, 9. 323,
16. In dieser Bed. auch m. und n. TRIK. 3, 3, 345. — b) = मुस्तक H.
an. — c) = प्रियंगु AK. 2, 4, 2, 36. TRIK. 3, 3, 302. H. an. MED. — d) =
कैवर्ती *Cyperus rotundus* H. an. — e) = एरका BHĀVAPR. im ÇKDr. —
f) = गवेधुका *Coix barbata* ROXB. RATNAM. 313. — सगुन्द्रा: काशा: कु-
शा वा VARĀH. BH. S. 33, 101 (102).

गुन्द्राल (von गुन्द्र) m. *eine Art Fasan* H. 1340.

1. गुप् (eine secundäre Wurzel, hervorgegangen aus गोप्य् oder गो-
पाय्) in den Special-Formen nicht im Gebrauch P. 3, 1, 28, 31. गुगोप:
गोप्यति und गोपिष्यति; गोप्ता und गोपिता: अगोप्सीत् und अगोपात्
P. 7, 2, 44. 3, 1, 50. Sch. Vop. 8, 64. 65. *hüten, bewahren, schützen; bewa-
chen, beobachten* Dhātup. 11, 1. देवकृतिं गुगुपद्दशस्यं स्तं नरो न प्र
मिनन्त्यते RV. 7, 103, 9. AV. 10, 9, 7. 8. 19, 27, 9. 10. ÇAT. Br. 3, 6, 2, 9.
आत्मात्मानं गोप्यति 6, 3, 26. 3, 4, 1. भीष्मं गुगोप समरे वर्तमाने जनस्ये
MBh. 6, 3897. R. 1, 16, 31. 6, 16, 25. RAGH. 1, 21. 2, 3. RĀGĀ-TAR. 3, 227.
Bhūg. P. 3, 21. 2. यो नो गुगोप — डरत्तकृच्छात् 1, 13, 11. नैनं गोप्यति
डुर्वृद्धिमथ्य वाणाकृतं मया MBh. 7, 3863. 6218. अगोपिषा पुरो लङ्कामगोप्ता

(lies: अगोप्ता) रत्तसां बलम् BHATT. 13, 113. यानगोपोत् 3, 37. pass.: भूतं
भयं च गुप्यते TBh. 2, 5, 4, 1. ÇAT. Br. 1, 6, 4, 12. 15. partic. गुपितं (ve-
disch) und गुप्तं a) *gehütet, geschützt, bewacht* AK. 3, 2, 55. TRIK. 3, 3, 154.
H. 1497. an. 2, 167. MED. t. 17. अचकृद्दधनिर्गुपिता वार्द्धते: सोम रत्तिनः
RV. 10, 83, 4. तथा राष्ट्रं गुपितं तत्रिष्यस्य 109. 3. AV. 2, 28, 4. 10, 10, 4.
18, 4, 70. ÇĀNKH. GRHJ. 1, 24. इन्द्रेण गुप्तः AV. 5, 20, 12. 11, 10, 11. 17. 1.
29. संदेष्टा गुप्ता वः सत्तु या नो मित्राणि 11, 9, 2. TBh. 1, 3, 3, 4. MBh. 1,
188. 3, 2715. गृह् M. 7, 76. स्त्री 8, 374. 376. fgg. पुरी R. 1, 3, 20. 6, 20. 3,
39, 36. RAGH. 2, 4. यस्य वाञ्छनसी शुद्धे सम्यगुप्ते च सर्वदा M. 2, 160. गु-
प्तमेन्द्रिय adj. RAGH. 1, 55. Vgl. auch गुप्त. — b) *verwahrt, geheim ge-
halten, versteckt, verborgen, heimlich* AK. 3, 2, 38. TRIK. H. 1483. H. an.
MED. प्रच्छन्नगुप्तं धनम् BHART. 2, 17. सुगुप्तस्यापि मन्त्रस्य VET. 13, 3. वि-
प्रमथ *versteckt gelegen* VID. 37. अन्धकारगुह् KATHS. 4, 51. अस्ति कुत्र-
चिदराप्ये धनदविनिर्मितं सुगुप्ततरं सरः PAÑKAT. 256, 6. गुप्तेन दण्डेन द-
ण्डिता *eine heimliche Strafe* so v. a. *eine im Geheimen abgeforderte*
Geldsumme für zubeobachtendes Stillschweigen HIT. 29, 18. गुप्तशील li-
stig, verschlagen Up. 81 (शीलगुप्त KATHS. 4, 83). सुगुप्तीकार *gut ver-
wahren* PAÑKAT. 208, 21. गुप्तम् adv. *auf eine versteckte, heimliche Weise*
KATHS. 3, 10, 121. 13, 9. सुगुप्तम् PAÑKAT. 231, 17. — c) = संगत *verbun-
den* (!) ÇANDAR. im ÇKDr. — desid. गुगुप्सते (ep. auch act.) Dhātup. 23,
1. P. 3, 1, 5. Vop. 8, 103. 119. 1) *sich hüten vor* (abl.) P. 1, 4, 24. VĀRTI.
अधर्माच्च गुगुप्सते ÇĀNKH. GRHJ. 4, 12. गुगुप्सयातां विवात्रतेभ्यः कर्मभ्यः
GOBH. 1, 6, 7. KĀND. Up. 5, 10, 8. गुगुप्सित *einen Abscheu habend vor*
(abl., Vop. 3, 21. — 2) *meiden, vermeiden, verabscheuen*, mit dem acc.:
गुगुप्सेन्न चाप्येन संवसेयुश्च सर्वशः JĀGĀ. 3, 296. M. 11, 189. MBh. 3, 4620.
अभिप्रायितलाभास्तु गुगुप्सतेव सर्वशः M. 6, 38. यदा बुध्यति बोद्धव्यं लो-
कवर्तं गुगुप्सते MBh. 3, 13954. सा गुगुप्सा प्रचेक्रे ऽमून् BHATT. 14, 59. किं
त्वं मामगुगुप्सिष्ठा: 13, 19. act.: गुगुप्सामीव चात्मानम् R. 2, 69, 20. स्तोत्रं
गुगुप्सत्यापि — पौरुषं वा विगुह्कितम् Bhūg. P. 4, 13, 25. pass.: गुगुप्स्य-
ताम् nach einer Conj. von Schütz zu lesen BHART. 1, 51. गुगुप्सित *vor*
dem oder wovor man einen Abscheu hat: ब्रह्मकेव गुगुप्सितः MBh. 3,
1288. R. 3, 35, 8. 4, 35, 1. MĀRK. P. 8, 200. विदुषो च गुगुप्सितम् अन्नम्
M. 4, 209. अन्नस्य तु गुगुप्सितं नाम स्यात् 2, 31. कर्मन् R. 2, 106, 9. 111.
29, 3, 46, 8. 39, 8. MBh. 3, 13367. MĀRK. P. 8, 198. 13, 34. नरास्त्यि BHART.
2, 9. KATHS. 2, 56. गुगुप्सिततमः कायः ÇĀNTIC. 1, 20. अगुगुप्सित M. 3,
209. MBh. 3, 13365. गुगुप्सित n. *eine Abscheu erregende That* Bhūg. P.
1, 3, 15. कर्मगुगुप्सित dass. 7, 42. — 3) *sich zurückgestossen* —, unan-
genehm berührt —, beleidigt fühlen: गुगुप्समानो नृपतिर्मनसैर् विचिन्त-
यन् MBh. 1, 6375. दुःशासनस्य ता वाचः श्रुत्वा ते द्रुणोदयाः । — गुगुप्स-
तीति मे मतिः 3, 1934. — desid. vom desid. गुगुप्सिष्यते PAT. zu P. 3, 1,
7. Sch. zu 1, 3, 62. 6, 1, 9. — Vgl. गोप्य् und गोपाय्.

— अधि, partic. अधिगुप्त *behütet, bewahrt*: ब्रह्माधिगुप्तः Ā. v. GRHJ. 2, 4.
— Vgl. u. अधि.

— अनु, partic. अनुगुप्त 1) *behütet, geschützt*: भवता चानुगुप्ता ऽमौ चो-
त्तीर्थानि सर्वशः MBh. 3, 8436. नारी KAUC. 60. — 2) *bedeckt, versteckt*:
अपः GOBH. 1, 1, 9, 24. 3, 21. देश ÇĀNKH. GRHJ. 2, 14. अनुगुप्तागारे PĀR.
GRHJ. 1, 8. 2, 1, 14. अनुगुप्तम् *im Geheimen*: अशेषान्मां धृतराष्ट्रो ऽनुगुप्तम्
MBh. 3, 251.